Accredited 'A' Grade by NAAC
SMS VARANASI SCHOOL OF MANAGEMENT SCIENCES
An Autonomous College
Approved by : AICTE, Ministry of Education, Govt. of India
Affiliated to : AKTU, Lucknow & MGKVP, Varanasi

एस०एम०एस० वाराणसी में हुई सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत

• शोध में उद्देश्य का स्पष्ट होना बेहद जरूरी : प्रो० पी० के० मिश्रा

वाराणसी, 5 अगस्त : एस०एम०एस० वाराणसी में सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की शुरुआत हुई। इस सात दिवसीय एफ०डी०पी० का मुख्य विषय 'सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू एंड बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस' है। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि आई०आई०टी० (बी०एच०यू०) के प्रोफेसर पी० के० मिश्रा व विशिष्ट अतिथि गुरुग्राम स्थित एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन के निदेशक प्रो० सुमित नरूला थे। अतिथियों का स्वागत करते हुए एस०एम०एस० वाराणसी के निदेशक प्रो. पी. एन. झा ने कहा कि इस सात दिवसीय एफ. डी. पी. को सही मायनों में नई शिक्षा नीति के तहत तैयार किया गया है। इससे शिक्षकों को तेजी से बदलते शैक्षणिक परिदृश्य से तादात्म्य बैठाने में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एक अच्छे शिक्षक को अध्यापन के साथ साथ शोध परक दृष्टि को भी विकसित करना चाहिए। एफ०डी०पी० के उद्देश्यों क ो रेखांकित करते हुए प्रो० झा ने कहा कि इस सात दिवसीय एफ०डी०पी० से निःसंदेह शिक्षक और शोधार्थियों में शोध को सही दिशा में करने में मदद मिलेगी।

उदघाटन सत्र के मुख्य अतिथि आई.आई.टी. (बी.एच.यू.) के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. पी. के. मिश्रा ने कहा कि ए.आई. जैसी नई तकनीक ने शोध के क्षेत्र में तेजी से बदलाव किए हैं। आज सिर्फ एक फिंगर टिप्स पर तथ्य मिल जाते हैं लेकिन इसके साथ ही सही व सटीक तथ्यों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। प्रो० मिश्र ने बताया कि मौलिक शोध के क्षत्र में अभी भारत की स्थिति बेहद चिंताजनक है, ऐसे में जरूरी है कि सही शोध पद्धति व शोध के उद्देश्यों को स्पष्ट रखकर शोध किया जाय।

विशिष्ट अतिथि एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, गुरुग्राम के निदेशक प्रो. सुमित नरूला ने शोध के क्षेत्र में फर्जी और क्लोन शोध पत्रिकाओं की पहचान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि फेक शोध पत्रिकाओं का जाल वैश्विक स्तर पर फैला है इनसे बचने के लिए एक साझा नेटवर्क तैयार करने की जरूरत है। प्रो० नरूला ने बताया कि न सिर्फ राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर कई शोध पत्रिकाएं हैं जो फर्जी इम्पैक्ट फैक्टर दिखाकर शोधार्थियों और शिक्षकों से शोध पत्र छपवाने के नाम पर पैसे ऐंठती हैं। शोध पत्रिकाओं की पूरी तरह से जांच करके ही अपने शोध पत्र को जर्नल्स में छपवाना चाहिए। प्रो० नरूला ने इस दौरान शिक्षकों व प्रतिभागियों को स्कोपस व वेब ऑफ साइंस में इंडेक्स जर्नल्स के बारे में भी विस्तार से बताया। उदघाटन सत्र का संचालन डॉ० भावना सिंह ने किया। सात दिवसीय

एफ०डी०पी० के पहले दिन के पहले व दूसरे तकनीकी सत्र का संचालन क्रमशः डॉ० सोफिया खान व डॉ सना अबसार ने किया।

इस अवसर पर एस.एम.एस. वाराणसी के अधिशासी सचिव डॉ एम०पी० सिंह, कुलसचिव संजय गुप्ता, एफ०डी०पी० के संयोजक प्रो. अमिताभ पांडेय, प्रो. पल्लवी पाठक सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व प्रतिभागी मौजूद रहे।